नई शिक्षा नीति पर आधारित

व्याकरण वाटिका

Teacher's Manual

Class VIII

Written by :

Author's Team

(Vidyalaya Prakashan)

KANHA BOOKS INTERNATIONAL

New Delhi

Sales Office :

C-24, JWALA NAGAR, T.P. NAGAR, MEERUT.

Ph. No. : 2400630, 8899271392

Head Office :

A-102, CHANDAR VIHAR, DELHI-92

e-mail : vidyalayaprakashan@yahoo.co.in

www.vidyalayaprakashan.in

Bhopal • Lucknow • Mumbai • Jaipur

Chandigarh • Ahemdabad • Dehradun

1. भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क.	14 सितंबर	ख.	22
ग.	लिपि	घ.	बोली

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

क.	राष्ट्रीय	ख.	मौखिक
ग.	रोमन	घ.	क्षेत्रीय
ड.	साहित्य		

3. निम्नलिखित भाषा की लिपि लिखिए–

क.	पंजाबी–गुरुमुखी	ख.	उर्दू–फारसी
ग.	संस्कृत–देवनागरी	घ.	हिंदी–देवनागरी

4. निम्नलिखित शब्दों को मानक रूप में लिखिए:–

क.	लिये–लिए	ख.	गड्गा–गंगा
ग.	पट्टियाँ–पट्टियाँ	घ.	ब्राह्मण–ब्राह्मण
ड.	सम्बन्ध–संबंध	च.	विद्यालय–विद्यालय

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. जिस साधन के द्वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं, उसे भाषा कहते हैं। भाषा के मुख्य दो रूप हैं–मौखिक रूप और लिखित रूप।

ख. भाषा की विशेषताए:– (1) भाषा द्वारा हम अपने भावों अथवा विचारों का आदान–प्रदान करते हैं। (2)भाषा में परिवर्तन एवं विकास होता है।

ग. माँ के द्वारा सबसे पहले सिखाई जाने वाली भाषा मातृभाषा कहलाती है।

घ. भाषा की ध्वनियों को लिखने के ढंग को लिपि कहा जाता है।

ड. भाषा और व्याकरण के बीच गहरा संबंध है। संसार की प्रत्येक भाषा का अपना व्याकरण होता है। किसी भाषा के व्याकरण का समुचित ज्ञान होने पर ही कोई व्यक्ति भाषा को उचित प्रकार से व्यवहार में लाना सीख सकता है। व्याकरण भाषा को शुद्ध रूप से बोलने, लिखने, पढ़ने और समझने में सहायक है। अतः व्याकरण में भाषा को नियमित और व्यवस्थित बनाने के नियम होते हैं, जिनकी सहायता से हम भाषा का शुद्ध एवं प्रभावशाली प्रयोग करना सीख जाते हैं; व्याकरण के नियमों से भाषा के अशुद्ध और शुद्ध होने का पता चल जाता है।

2. वर्ण-विचार

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:-

क. वर्णमाला | ख. य्, र्, ल्, व्

ग. श्, ष्, स्, ह् | घ. स्पर्श व्यंजन

ड. प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ

2. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) चिह्न लगाएँ-

क. (✗) | ख. (✓) | ग. (✗)

घ. (✗) | ङ. (✓)

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

क. दीर्घ स्वर | ख. स्पर्श व्यंजन

ग. ऊष्म | घ. तीन

ड. चंद्रबिंदु (ँ)

4. निम्नलिखित संयुक्त व्यंजन के मेल से बने दो-दो शब्द लिखिए -

क. क्षत्रिय, कक्षा | ख. त्रिशूल, पुत्र

ग. ज्ञान, अज्ञात | घ. श्रमिक, परिश्रम

5. तीन–तीन शब्दों की रचना कीजिए:–

क. अत:, प्रात:, नम:, | ख. पंख, अंत, ठंडा,

ग. विद्यालय, खट्टा, चिट्ठी | घ. चाँद, दाँत, साँप

6. निम्नलिखित शब्दों के वर्ण–विच्छेद कीजिए:–

क. क् + अ + क् + ष् + आ

ख. र् + आ + ष् + ट् + र् + अ

ग. स् + व् + आ + स् + थ् + य् + अ

घ. प् + र् + अ + क् + ऋ + त् + इ

ड. य् + अ + श् + अ + स् + व् + ई

च. क् + अ + व् + इ

छ. अ + द् + भ् + उ + त् + अ

ज. अं + ग् + ऊ + र् + अ

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. भाषा की सबसे लघु इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, उसे 'वर्ण' कहा जाता है।

वर्ण दो प्रकार के होते हैं:–1. स्वर तथा 2. व्यंजन।

ख. जिन वर्णों के उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता की आवश्यकता नहीं होती तथा जिन ध्वनियों के उच्चारण के समय हवा मुँह से बिना किसी रुकावट के निकलती है, वे स्वर वर्ण कहलाते हैं। स्वर के तीन भेद होते हैं:–

क. ह्स्व स्वर   ख. दीर्घ स्वर   ग. प्लुत स्वर

ग. जो वर्ण स्वर–ध्वनि की सहायता से बोले जाते हैं, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

घ. जो वर्ण दो विभिन्न व्यंजनों के मेल से बनते हैं, वे संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। वे स्वतंत्र व्यंजन नहीं है। ये संख्या में चार हैं–क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

उदाहरण–	क्ष – क् + ष् + अ –	कक्षा, रक्षा,
	त्र – त् + र् + अ –	त्रिशूल, पुत्र
	ज्ञ – ज् + ञ् + अ –	ज्ञात, ज्ञापन, विज्ञान, ज्ञानी
	श्र – श् + र् –	श्रमिक, श्रम

ङ. अल्पप्राण–जिन व्यंजनों के उच्चारण में कम समय लगता है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा तथा पाँचवा व्यंजन और अंतःस्थ व्यंजन अल्पप्राण होते हैं; जैसेः–

क वर्ग – क, ग, ङ	त वर्ग – त, द, न
च वर्ग – च, ज, ञ	प वर्ग – प, ब, म
ट वर्ग – ट, ड, ण	अंतःस्थ – य, र, ल, व

महाप्राण–जिन व्यंजनों के उच्चारण में अधिक समय लगता है, उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। इनके उच्चारण में अधिक प्रयत्न करना पड़ता है और श्वास–वायु अधिक मात्रा में तथा अधिक वेग से बाहर निकलती है। अंत में 'ह' जैसी ध्वनि सुनाई पड़ती है। प्रत्येक वर्ग का दूसरा तथा चौथा व्यंजन और ऊष्म व्यंजन महाप्राण होते हैं। समस्त महाप्राण व्यंजन इस प्रकार हैंः–

क वर्ग –ख, घ	च वर्ग – छ, झ
ट वर्ग – ठ, ढ, ढ़	त वर्ग – थ, ध
प वर्ग–फ, भ	ऊष्म – श, ष, स, ह

3. शब्द–विचार

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओः–

क. शब्द ख. यौगिक शब्द

ग. विदेशज घ. तत्सम

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

क. स्वतंत्र ख. यौगिक

ग. चार घ. समानार्थी शब्द

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) चिह्न लगाएँ–

क. (✓) ख. (✗)

ग. (✓) घ. (✓)

4. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

क. शत ख. दंत

ग. पद घ. दुग्ध

ङ. उष्ट्र च. मृत्यु

छ. मुख ज. गर्दभ

झ. भल्लुक ञ. जिह्वा

5. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए:–

क. चमड़ा ख. ताँबा ग. उल्लू

घ. घी ङ. अगूँठा च. मनुष्य

छ. होंठ ज. बहरा झ. हाथ

ञ. कोढ़

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. वर्णों के समूह, जो कुछ–न–कुछ अर्थ देते हों, शब्द कहलाते हैं।

ख. एक से अधिक वर्णों के मिलने से बने सार्थक वर्ण–समूह को शब्द कहते हैं, जैसे:–अमित, दूध, खीरा, पढ़ना आदि। परंतु जब किसी

भी प्रकार का सार्थक शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तब वह पद कहलाता है। जैसे:- 'अमित दूध पीता है'। इस वाक्य में 'अमित' तथा 'दूध' शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर पद बन गए।

ग. शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित चार आधारों पर किया जा सकता है:-

1. रचना के आधार पर
2. स्रोत या उत्पत्ति के आधार पर
3. प्रयोग एवं व्याकरण के आधार पर
4. अर्थ के आधार पर

घ. वे शब्द जो मूल भाषा संस्कृत से ज्यों-के-त्यों हिंदी में प्रयुक्त किये जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। उदाहरण:-अग्नि, आम्र, गृह, उलूक आदि। जबकि संस्कृत के वे शब्द जो रूप परिवर्तन के बाद हिंदी में प्रचलित हो गए हैं, वे तद्भव कहलाते हैं। उदाहरण:-आग, आम, घर, उल्लू आदि।

ङ. विकारी शब्द:-जिन शब्दों के रूप वाक्य में परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित हो जाते हैं; उन्हें विकारी शब्द कहते हैं। विकारी शब्द निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं:-

संज्ञा - कुत्ता, कुत्ते, कुत्तों

सर्वनाम - मैं, मुझे, मेरा

विशेषण - काला, काली, काले

क्रिया - खाता, खाती, खाते

अविकारी शब्द:-जिन शब्दों का रूप कभी नहीं बदलता, जो सदा एक समान रहते हैं, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। अविकारी शब्द निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं:-

क्रिया-विशेषण	-	आज, यहाँ, वहाँ, धीरे-धीरे आदि।
संबंधबोधक	-	के पास, के अंदर आदि।
समुच्चयबोधक	-	और, क्योंकि, लेकिन, या, परंतु, किंतु, बल्कि आदि।
विस्मयादिबोधक	-	अरे !, ओह ! , हाय !, छि ! आदि

4. संज्ञा

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :

क.	समूहवाचक संज्ञा	ख.	जातिवाचक संज्ञा
ग.	पशुता	घ.	व्यक्तिवाचक संज्ञा

2. निम्नलिखित संज्ञाओं को उनके भेद के अनुसार जातिवाचक, व्यक्तिवाचक और भाववाचक वर्ग में छाँटिये :-

जातिवाचक संज्ञा :- शहर, भेड़, नारी, कंप्यूटर, पुस्तकालय, कुर्सी, खरगोश।

व्यक्तिवाचक संज्ञा :- अमेरिका, हिमालय, फरवरी, लखनऊ, महाभारत, गणेश।

भाववाचक संज्ञा :- दानवता, अमीरी, अच्छाई, बचपन, प्रेम, मिठास, हरियाली, अच्छाई, उत्साह।

3. दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

क.	चतुर-चतुराई	ख.	गरीब-गरीबी
ग.	बच्चा-बचपन	घ.	विद्वान-विद्वत्ता
ङ.	नारी-नारीत्व	च.	स्वस्थ-स्वास्थ्य
छ.	पराया-परायापन	ज.	मीठा-मिठास
झ.	आलसी-आलस्य	ञ.	सजाना-सजावट

ट. अहं-अहंकार ठ. बुनना-बुनाई

ड. होशियार-होशियारी ढ. उड़ना-उड़ान

ण. ऊपर-ऊपरी त. शिक्षक-शिक्षक

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव, गुण, अवस्था या क्रिया के व्यापार के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं। संज्ञा के मुख्य तीन भेद होते हैं:-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा

3. भाववाचक संज्ञा।

ख. व्यक्तिवाचक संज्ञा:-किसी विशेष प्राणी, स्थान या वस्तु आदि के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे-मदर टेरेसा, नरेंद्र मोदी, गंगा, यमुना, हिमालय, जापान, चेतक, हिमाचल प्रदेश, रामायण आदि।

जातिवाचक संज्ञा:-जो संज्ञा शब्द किसी वर्ग या जाति के सभी प्राणियों, वस्तुओं एवं स्थानों का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे:-आदमी, लड़का, गाय, तालाब, किला, नदी, पर्वत, देश, पुस्तक, ग्रंथ, शहर, पशु, आदि।

5. लिंग

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :-

क. (i) व (ii) दोनों ख. पंडिताइन

ग. स्त्रीलिंग में

2. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए -

क. शिष्या-शिष्य ख. आयुष्मान-आयुष्मती

ग. दूल्हा-दुल्हन घ. ऊँट-ऊँटनी

ङ.	नेता–नेत्री/नेताइन	च.	तपस्वी–तपस्विनी
छ.	रचयिता–रचयित्री	ज.	विद्वान–विदुषी
झ.	गाय–बैल	ञ.	कुम्हार–कुम्हारिन
ट.	कवि–कवयित्री	ठ.	बूढ़ा–बुढ़िया

3. निम्नलिखित वाक्यों में आवश्यकतानुसार लिंग–परिवर्तन करके पुनः वाक्य लिखिए:–

    क. नेताइन के आते ही चुनाव शुरू हो गए।

    ख. नौकर बरतन धो रहा है।

    ग. वर ने बहुत सुंदर कपड़े पहने हैं।

    घ. कवि ने बहुत–सी कविताएँ सुनाईं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

    क. जो शब्द स्त्री या पुरूष जाति का बोध कराएँ उसे लिंग कहते हैं। लिंग के दो भेद हैं:–पुल्लिंग और स्त्रीलिंग। उदाहरण:–पिता–माता, छात्र–छात्रा, चूहा–चुहिया आदि।

    ख. पुल्लिंग:– जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध हो अथवा जो शब्द पुरुष जाति के अंतर्गत माने जाते हैं, वे पुल्लिंग कहलाते हैं। उदाहरण:–पुरुष, बेटा, सिंह, वर आदि।

    स्त्रीलिंग:– जिन संज्ञा शब्दों से स्त्रीजाति का बोध हो अथवा जो शब्द स्त्री जाति के अंतर्गत माने जाते हैं, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं। उदाहरण:–स्त्री, बेटी, सिंहनी, वधू आदि।

6. वचन

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क.	संज्ञा या सर्वनाम द्वारा	ख.	संख्या का

ग. शक्तियाँ

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए :-

कक्षा – कक्षाएँ	बस – बसें
मजदूर – मजदूरवर्ग	परीक्षा – परिक्षाएँ
रोटी – रोटियाँ	बुढ़िया – बुढ़ियाँ
कौआ – कौए	ऋतु – ऋतुएँ
टिड्डी – टिड्डियाँ	स्त्री – स्त्रियाँ
गुरु – गुरुजन	पुस्तक – पुस्तकें

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

क. आजकल सब कार्य मशीनों से होता है।

ख. खेत में फसलें सूख गईं।

ग. मैंने अपने घर चिट्ठियाँ भेजीं।

घ. कुत्तों के भौंकने पर बिल्लियाँ भाग गईं।

ङ. उसकी दुखभरी बातें सुनकर मेरे आँसू निकल पड़े।

च. पतंगें हवा से बातें कर रही हैं।

छ. मीठे संतरे खाने में अच्छे लगते हैं।

4. निम्नलिखित बहुवचन शब्दों के एकवचन लिखिए:-

क. गायें–गाय	ख. सेविकाएँ–सेविका
ग. सभाएँ–सभा	घ. जड़ी–बूटियाँ–जड़ी–बूटी
ङ. कपड़े–कपड़ा	च. नीतियाँ–नीति
छ. बहुएँ–बहू	ज. विद्यार्थीगण–विद्यार्थी
झ. श्रोताजन–श्रोता	ञ. टोपियाँ–टोपी

5. कोष्ठकों में दिए गए शब्द का बहुवचन लिखकर वाक्य पूरे कीजिए:–

क.	गमलों, पौधे	ख.	पटरियाँ
ग.	चीलें	घ.	कलियाँ
ङ.	नारियाँ	च.	परिक्षाएँ
छ.	धातुएँ		

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:–

क. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसके एक या एक से अधिक होने का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं।

ख. वचन दो प्रकार के होते हैं:–1. एकवचन, 2. बहुवचन

1. एकवचन:–शब्द के जिस रूप से एक व्यक्ति, वस्तु या पदार्थ का बोध हो, उसे 'एकवचन' कहते हैं। उदाहरण:–कौआ, छात्रा, पुस्तक आदि।

2. बहुवचन:–शब्द के जिस रूप से एक से अधिक व्यक्तियों, वस्तुओं या स्थानों का बोध हो, उसे 'बहुवचन' कहते हैं। उदाहरण:–कौए, छात्राएँ, पुस्तकें आदि।

7. कारक

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क.	के द्वारा	ख.	अधिकरण कारक
ग.	कर्ता कारक	घ.	से

2. निम्नलिखित वाक्यों में कारक छाँटिए तथा उनका भेद लिखिए:–

क.	को, कर्मकारक,	ख.	में, अधिकरण कारक
ग.	से, अपादान कारक	घ.	के लिए, संप्रदान कारक
ड.	का, संबंध कारक	च.	हे वीरो ! संबोधन कारक

छ. ने, कर्ता कारक　　　　ज. ने, कर्ता कारक

3. मिलान कीजिए:–

क. ने　　　　ख. को

ग. से, के साथ, के द्वारा　　　　घ. के लिए,

ङ. से (पृथकता सूचक)　　　　च. में, पर

4. निम्नलिखित वाक्यों में उचित कारक चिह्न भरिए–

क. के　　ख. का　　ग. ने

घ. में　　ङ. ऐ　　च. में

छ. के लिए　　ज. से

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. वाक्य में क्रिया तथा संज्ञा या सर्वनाम के बीच पाए जाने वाले संबंधो को कारक कहते हैं। हिंदी में आठ प्रकार के कारक होते हैं:–कर्ता कारक, कर्म कारक, करण कारक, संप्रदान कारक, अपादान कारक, संबंध कारक, अधिकरण कारक और संबोधन कारक।

ख. हिंदी में कारक के आठ भेद हैं, जिन्हें विभक्ति चिह्नों सहित नीचे लिखा गया है:–

	कारक		**विभक्ति चिह्न**
1.	कर्ता	–	ने
2.	कर्म	–	को
3.	करण	–	से, के साथ, के द्वारा
4.	संप्रदान	–	के लिए, को
5.	अपादान	–	से (पृथकता सूचक)
6.	संबंध	–	का, के, की, रा, री, रे

	कारक		विभक्ति चिह्न
7.	अधिकरण	–	में, पर
8.	संबोधन	–	हे, हो, हरे, अरे, अरी, इत्यादि।

8. सर्वनाम

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

   क. तीन ख. प्रश्नवाचक सर्वनाम

   ग. संबंधवाचक सर्वनाम

2. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम छाँटकर उसके भेद लिखिए:–

	सर्वनाम	भेद
क.	मैंने	उत्तम पुरुष सर्वनाम
ख.	यह	निश्चयवाचक सर्वनाम
ग.	किसने	प्रश्नवाचक सर्वनाम
घ.	कोई	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
ङ.	जिसे, उसने	संबंधवाचक सर्वनाम
च.	अपने आप	निजवाचक सर्वनाम

3. सही कथन के सामने सही का चिह्न (✓) और गलत कथन के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

   क. (✓) ख. (✗) ग. (✗)

   घ. (✗) ङ. (✓)

4. उचित सर्वनामों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:–

   क. उसने ख. किसने ग. कोई

घ. उसकी ङ. जिसे च. वह

छ. स्वयं

5. उचित सर्वनाम का प्रयोग करके वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए –

क. उसने मुझे उपहार दिया।

ख. मुझे स्कूल नहीं जाना।

ग. वह मेरी बात मानता है।

घ. तुम्हारे साथ कौन खेलेगा?

ङ. तुम अपना काम करो।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के छः भेद होते हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. संबंधवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

ख. निश्चयवाचक सर्वनाम:–जिन सर्वनामों से निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इस सर्वनाम से किसी निकट या दूर की वस्तु का बोध होता है। उदाहरण:–

अ. यह रोहन का विद्यालय है।

ब. वह खेत हमारे हैं।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम:–जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति एवं वस्तु का बोध नहीं होता, उन शब्दों को अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

अ. इस घर में कोई नहीं रहता।

ब. किसी को भी बुला लाओ।

ग. निजवाचक सर्वनाम के उदाहरणः–

अ. मुझे खुद पर विश्वास है।

ब. मेरी माँ अपने आप भोजन बनाती है।

9. विशेषण

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओः–

क. मैंने दो आम खाए।

ख. मुझे तो थोड़ी–सी भूख लगी है।

ग. गुणवाचक विशेषण

2. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटकर भेद का नाम लिखिए –

	विशेषण	भेद
क.	हरी	गुणवाचक विशेषण
ख.	चितकबरी	गुणवाचक विशेषण
ग.	थोड़ा	अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
घ.	पचास	निश्चित संख्यावाचक विशेषण
ङ.	वे	सार्वनामिक विशेषण
च.	कुछ	अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण तथा प्रविशेषण छाँटिए –

	विशेषण	प्रविशेषण
क.	साफ	बिल्कुल
ख.	पतली	बहुत
ग.	काला	अत्यंत
घ.	बुद्धिमान	बहुत
ड.	बहादुर	बहुत

4. दिए गए शब्दों से विशेषण बनाइए:-

सुगंध-सुगंधित	जो-जैसा	धर्म-धार्मिक
इतिहास-ऐतिहासिक	भीतर-भीतरी	क्रोध-क्रोधी
दिन-दैनिक	समाज-सामाजिक	नीचे-निचला
बनाना-बनावटी	नियम-नियमित	ईर्ष्या-ईर्ष्यालु
विज्ञान-वैज्ञानिक	रस-रसीला	सप्ताह-साप्ताहिक
समाज-सामाजिक	कुल-कुलीन	

5. नीचे दी गई विशेषण की तीनों अवस्थाएँ पूरी कीजिए:-

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
निम्न	निम्नतर	निम्नतम
लघु	लघुतर	लघुतम
गुरु	गुरुतर	गुरुतम
योग्य	योग्यतर	योग्यतम
न्यून	न्यूनतर	न्यूनतम
अधिक	अधिकतर	अधिकतम
कठोर	कठोरतर	कठोरतम
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क. जो शब्द किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, विशेषण कहलाते हैं। विशेषण के मुख्य चार भेद हैं:-गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण तथा सार्वनामिक विशेषण।

ख. विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते हैं, उसे विशेष्य कहते हैं।

ग. परिमाणवाचक विशेषणः–जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की मात्रा अथवा परिमाण (नाप–तौल) का बोध कराते हैं; वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; उदाहरणः–

अ. यह साड़ी पाँच मीटर की है।

ब. जग में दो लीटर पानी है।

स. मुझे थोड़ी चीनी चाहिए।

संख्यावाचक विशेषणः–संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की संख्या का बोध कराने वाले शब्दों को संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; उदाहरणः–

अ. मेरा घर तीसरी मंजिल पर है।

ब. एक वर्ष में बारह मास होते हैं।

घ. जो शब्द विशेषण के गुणों में वृद्धि के लिए प्रयोग किया जाता है, प्रविशेषण कहलाता है।

ङ. विशेषण की तीन अवस्थाएँ मानी जाती हैंः–

1. मूलावस्था 2. उत्तरावस्था 3. उत्तमावस्था

1. मूलावस्थाः–इस अवस्था में विशेषण अपने वास्तविक रूप में प्रयोग किए जाते हैं अर्थात किसी के साथ तुलना नहीं होती है; जैसेः– मोनिका सुंदर है।

2. उत्तरावस्थाः–इस अवस्था में विशेषण द्वारा दो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के बीच तुलना की जाती है; जैसे– माधवी मोनिका से सुंदर है।

3. उत्तमावस्थाः–इस अवस्था में विशेषण द्वारा किसी एक संज्ञा या सर्वनाम की अन्य दो या दो से अधिक संज्ञा या सर्वनाम शब्दों से तुलना के बाद किसी एक की श्रेष्ठता/सर्वोच्चता अभिव्यक्त की जाती है अर्थात किसी

संज्ञा या सर्वनाम को सबसे अच्छा या बुरा बताया जाता है; जैसे:–अदिति सबसे सुंदर लड़की है।

10. क्रिया

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क.	धातु	ख.	प्रेरणार्थक क्रिया
ग.	अकर्मक	घ.	डर

2. निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं से सकर्मक तथा अकर्मक क्रियाओं के भेद बताइए –

	सकर्मक	अकर्मक
क.	घास खाती है।	
ख.		लिख रही है।
ग.		छिप गए।
घ.	पुस्तक पढ़ रहा है।	
ङ.	पुत्र को प्यार करती है।	

3. निम्नलिखित क्रियाओं से प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाकर लिखिए –

	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
क.	सिलाना	सिलवाना
ख.	कटाना	कटवाना
ग.	हँसाना	हँसवाना
घ.	उगाना	उगवाना

4. निम्नलिखित शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए –

भिनभिन–भिनभिनाना	खटखट–खटखटाना
लज्जा–लजाना	खनखन–खनखनाना

अपना–अपनाना	हाथ–हथियाना
शर्म–शर्माना	लात–लतियाना
चक्कर–चकराना	साठ–सठियाना

5. निम्नलिखित वाक्यों की संयुक्त क्रियाओं में मूल क्रिया तथा रंजक क्रिया को अलग–अलग करके लिखिए –

	मूल क्रिया	रंजक क्रिया
क.	मार	डाला
ख.	चले	गए
ग.	जाने	लगी
घ.	जा	रही है
ङ.	चहकने	लगे

6. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया को पहचान कर उसका भेद लिखिए –

	क्रिया	भेद
क.	गई	सामान्य क्रिया
ख.	बना लिया	संयुक्त क्रिया
ग.	करवाता है	प्रेरणार्थक क्रिया
घ.	पढ़कर	पूर्वकालिक क्रिया
ङ.	रँगवाई	प्रेरणार्थक क्रिया।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं।

क्रिया के भेद दो प्रकार के होते हैं:–

क. कर्म के आधार पर:–

अ. अकर्मक क्रिया ब. सकर्मक क्रिया

ख. प्रयोग और संरचना के आधार पर:-

1. सामान्य क्रिया 2. संयुक्त क्रिया

3. नामधातु क्रिया 4. प्रेरणार्थक क्रिया

5. पूर्वकालिक क्रिया 6. कृदंत क्रिया

ख. अकर्मक क्रिया:-जिन क्रियाओं का कर्म नहीं होता तथा क्रिया का फल कर्ता पर पड़ता है, वे क्रियाएँ अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं; उदाहरण:-1. बच्चा रो रहा है। 2. चिड़िया उड़ रही है।

सकर्मक क्रिया:-सकर्मक का अर्थ है:-'कर्म के साथ'। जिन क्रियाओं में कर्म की आवश्यकता रहती है, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं; उदाहरण:-

1. छात्र पुस्तक पढ़ रहा है। 2. बिल्ली दूध पी रही है।

ग. प्रयोग एवं संरचना के आधार पर क्रिया के छः भेद होते हैं:-1. सामान्य क्रिया, 2. संयुक्त क्रिया, 3. नामधातु क्रिया, 4. प्रेरणार्थक क्रिया, 5. पूर्वकालिक क्रिया, 6. कृदंत क्रिया।

घ. प्रेरणार्थक क्रिया:-जिस क्रिया से कर्ता के स्वयं कार्य करने का बोध न होकर किसी अन्य से कराए जाने का बोध होता है उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं; जैसे:-

1. अध्यापक छात्र से पाठ पढ़वाता है।

2. मालकिन नौकरानी से बरतन धुलवाती है।

ङ. हथियाना, बतियाना, लतियाना, चिकनाना।

11. काल

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

क. सामान्य भूतकाल ख. भूतकाल

ग. संभाव्य भविष्यत्काल

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति दी हुई क्रियाओं के काल–निर्देशानुसार कीजिए –

क.	खेलते हैं।	ख.	पढ़ाते होंगे।
ग.	धो रही है।	घ.	आए थे।
ड.	सुना रही थीं।	च.	खाये हैं।
छ.	पहुँच चुका होगा।	ज.	लिखा।
झ.	जाएँगे।	ञ.	बजाएगी।

3. निम्नलिखित वाक्यों के काल पहचानकर उनके भेद लिखिए –

क.	अपूर्ण वर्तमानकाल	ख.	सामान्य वर्तमानकाल
ग.	सामान्य भूतकाल	घ.	सामान्य भविष्यत्काल
ङ.	अपूर्ण भूतकाल	च.	हेतु–हेतुमद् भूतकाल

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्दिष्ट काल के अनुसार बदलकर लिखिए –

क. वह समाचार लिखेगा।

ख. तुम क्यों भाग रहे हो ?

ग. छात्र प्रश्नों का उत्तर लिखते हैं।

घ. शायद महिलाएँ बाजार जाती होंगी।

ङ. संध्या के समय आकाश साफ हो चुका था।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने का समय ज्ञात होता है, वह उस क्रिया का काल कहलाता है।

काल तीन प्रकार के होते हैं:–वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यत्काल।

तीनों कालों के उदाहरण:–

अ. अध्यापक छात्रों को पाठ पढ़ाते हैं। (वर्तमान काल)

ब. अध्यापक ने छात्रों को पाठ पढ़ाया। (भूतकाल)

स. अध्यापक छात्रों को पाठ पढ़ाएँगे। (भविष्यत्काल)

ख. भूतकाल के निम्नलिखित छह भेद हैं:-

1. सामान्य भूतकाल	2. आसन्न भूतकाल
3. अपूर्ण भूतकाल	4. पूर्ण भूतकाल
5. संदिग्ध भूतकाल	6. हेतु-हेतुमद् भूतकाल

ग. संदिग्ध वर्तमानकाल:-क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान समय में होने या करने में संदेह हो, उसे संदिग्ध वर्तमानकाल कहते हैं।

उदाहरण:- 1. माँ खाना बनाती होगी।

2. छात्र खेल रहे होंगे।

संदिग्ध भूतकाल:-भूतकाल की जिस क्रिया के होने या करने में संदेह प्रतीत हो, उसे संदिग्ध भूतकाल कहते हैं।

उदाहरण:- 1. उसने मुझे याद किया होगा।

2. नौकरानी घर की सफाई कर चुकी होगी।

12. संधि

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

क. तीन	ख. स्वर संधि
ग. महा + आशय	

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए -

परिच्छेद-परि + छेद	सूर्योदय - सूर्य + उदय
जगदीश - जगत् + ईश	उज्ज्वल-उत् + ज्वल
उच्चारण-उत् + चारण	यद्यपि - यदि + अपि
स्वाधीन-स्व + आधीन	शयन - शे + अन
शरणागत-शरण+आगत	रवींद्र - रवि + इंद्र

दुष्कर्म – दु: + कर्म

महर्षि – महा +ऋषि

आच्छादन – आ + छादन

जगन्नाथ – जगत् + नाथ

महोत्सव – महा + उत्सव

मनोभाव – मन: + भाव

3. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए –

पीतृ + आज्ञा – पित्राज्ञा

कपि + ईश – कपीश

यथा + अर्थ – यथार्थ

पो + अन – पावन

तत् + मय – तन्मय

गिरि + ईश – गिरीश

भो + उक – भावुक

सम् + राट – सम्राट

नि: + फल – निष्फल

अंत: + देशीय – अंतर्देशीय

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. संधि का अर्थ है:–'वर्णों का मेल' अथवा मेल–मिलाप'। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें वर्णों के पारस्परिक मेल से नवीन शब्दों का निर्माण होता है। संधि सदैव दो वर्णों के बीच ही होती है, शब्दों में नहीं।

अत: दो वर्णों के पारस्परिक मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है, उसे संधि कहते हैं।

ख. संधि तीन प्रकार की होती है:–1. स्वर संधि, 2. व्यंजन संधि, 3. विसर्ग संधि।

स्वर संधि के उदाहरण:–1. महा + उत्सव – महोत्सव

2. विद्या + आलय – विद्यालय

3. सत् + आनंद–सदानंद

व्यंजन संधि के उदाहरण:–1. दिक् + गज – दिग्गज

2. वाक् + ईश – वागीश

3. अज् + अंत – अजंत

विसर्ग संधि के उदाहरण:–1. मन: + रथ – मनोरथ

2. दु: + शासन – दुश्शासन

3. नि: + पाप – निष्पाप

ग. स्वर संधि:–दो स्वरों के मेल से जो विकार या परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं; जैसे:–विद्या + आलय – विद्यालय।

व्यंजन संधि:–व्यंजन का किसी व्यंजन अथवा स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं; जैसे:–

दिक् + अंबर – दिगंबर।

घ. स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं:–दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि और अयादि संधि।

ङ. जब संधियुक्त पदों को अलग–अलग किया जाता है तो उसे संधि–विच्छेद कहते हैं। उदाहरण:–

अधोगति–अध: + गति

उच्चारण– उत् + चारण

उज्जवल – उत् + ज्वल

13. उपसर्ग एवं प्रत्यय

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ –

क. चार प्रकार के

ख. लखनवी

ग. परि

घ. पर + अधीन

ङ. एरा

2. नीचे दिए गए उपसर्ग जोड़कर दो–दो शब्द बनाइए –

अप–अपमान, अपराध | बे–बेबस, बेस्वाद

वि–विवाद, विशेष | सु–सुगंध, सुपुत्र

स्व–स्वतंत्र, स्वरूप | अध–अधभरा, अधपका

उत्–उत्थान, उत्कर्ष | निर्–निर्धन, निर्मल

प्रति–प्रतिकारी, प्रतिकूल

3. निम्नलिखित प्रत्ययों की सहायता से दो–दो शब्द बनाइए –

आलू – झगड़ालू, रतालू

आवट – सजावट, लिखावट

नी – मोरनी, शेरनी

मान – अभिमान, बुद्धिमान

शाली – बलशाली, भाग्यशाली

4. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग कीजिए –

	उपसर्ग	मूल शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द
क.	उत्	कर्ष	ख.	कु	पुत्र
ग.	अप	यश	घ.	सम्	वेदना
ङ.	निर्	मल	च.	दुर्	गुण

5. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए –

	मूलशब्द	प्रत्यय		मूलशब्द	प्रत्यय
क.	नमक	ईन	ख.	फैल	आव
ग.	सम्मान	इत	घ.	भगीरथ	ई
ङ.	शिष्य	आ	च.	गा	ऐया

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. वे शब्दांश जो किसी पद या शब्द के आरंभ में लगकर उनके अर्थ

में विशेषता ला देते हैं अथवा उसके अर्थ को बदल देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

ख. जो शब्दांश मूल शब्दों के अंत में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, अर्थात नए शब्द बनाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं।

ग. प्रत्यय मुख्यत: दो प्रकार के होते हैं:–1. कृत् प्रत्यय (क्रिया में लगने वाले) 2. तद्धित प्रत्यय (क्रिया से भिन्न शब्दों में लगने वाले)।

घ. कृत् प्रत्यय:–जो प्रत्यय धातुओं के अंत में जुड़कर नए शब्द (संज्ञा, विशेषण आदि) बनाते हैं, उन्हें कृत् प्रत्यय कहते हैं। कृत् प्रत्ययों की सहायता से बनने वाले शब्द 'कृदंत' कहलाते हैं; जैसे:–

पालन + हार – पालनहार पढ़ + आई – पढ़ाई

तद्धित प्रत्यय:–जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण शब्दों के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

जैसे :– पान + वाला – पानवाला लघु + त्व – लघुत्व

14. समास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क. समास–विग्रह ख. समस्तपद

ग. बहुव्रीहि समास

2. निम्नलिखित रंगीन छपे शब्दों के स्थान पर समस्त–पद लिखकर वाक्य दोबारा लिखिए –

क. हमारे देश में कई यज्ञशाला बनी हुई हैं।

ख. माँ ने रसोईघर में जाकर चाय बनाई।

ग. प्रत्येक देशवासी में राष्ट्रभक्ति की भावना होनी चाहिए।

घ. आज पुलिस ने जेबकतरे को पकड़ लिया।

ड. सुशांत जन्मांध है।

3. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए–

	विग्रह	समास
क.	रोग से मुक्त	तत्पुरुष समास
ख.	गुरु और शिष्य	द्वंद्व समास
ग.	महान है जो वीर अर्थात हनुमान	बहुब्रीहि समास
घ.	चार मासों का समूह	द्विगु समास
ङ.	गज के समान आनन अर्थात गणेश	बहुब्रीहि समास
च.	आनंद में मग्न	तत्पुरुष समास

4. निम्नलिखित विग्रहों के समस्तपद लिखकर समास का नाम भी लिखिए:–

	सामासिक शब्द	समास
क.	गौशाला	तत्पुरुष समास
ख.	देशप्रेम	तत्पुरुष समास
ग.	तिरंगा	द्विगु समास
घ.	दीनानाथ	तत्पुरुष समास
ङ.	भरपेट	अव्ययीभाव समास

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. दो या दो से अधिक शब्दों से समस्त पद बनाने की प्रक्रिया समास कहलाती है।

समास के छः भेद होते हैं:–अव्ययीभाव समास, तत्पुरुष समास, कर्मधारय समास, द्विगु समास, बहुब्रीहि समास, द्वंद्व समास।

ख. परस्पर संबंध रखने वाले शब्दों के मेल से नए शब्द बनाने की प्रक्रिया समास कहलाती है। इस विधि से संक्षिप्त किए गए शब्द

समस्तपद कहलाते हैं।

समस्त पद या सामासिक पद	विग्रह
राम–सीता	राम और सीता
यथाविधि	विधि के अनुसार
हस्तलिखित	हाथ से लिखा हुआ
तिरंगा	तीन रंगों का समाहार

15. अव्यय (अविकारी शब्द)

1. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषणों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:–

क. तुरंत

ख. अचानक

ग. दिन–रात

घ. अवश्य

ङ. कम

2. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण छाँटकर उनके भेद का नाम भी बताइए –

क. अचानक, रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ख. जैसा, वैसा, रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ग. ऊपर–नीचे, स्थानवाचक क्रियाविशेषण

घ. धीरे–धीरे, रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ङ. तेज, रीतिवाचक क्रिया विशेषण

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. वे अविकारी शब्द जो क्रिया की विशेषता बताते हैं, क्रियाविशेषण कहलाते हैं। क्रियाविशेषण के चार भेद हैं:–1. रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 2. कालवाचक क्रियाविशेषण, 3. स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण।

ख. विशेषण एवं क्रियाविशेषण में अंतर:–संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले पद 'विशेषण' होते हैं तथा क्रिया की विशेषता बताने वाले पद 'क्रिया विशेषण' कहलाते हैं। एक ही पद का प्रयोग विशेषण के रूप में भी होता है और क्रिया विशेषण के रूप में भी। उदाहरण –

	विशेषण	क्रियाविशेषण
क.	सीता के पास कुछ रुपये हैं।	सीता कुछ खा रही है।
ख.	कुछ लड़कियाँ खा रही हैं।	लड़कियाँ कुछ कर रही हैं।

प्रश्न–अभ्यास (पेज १००)

1. संबंधबोधक शब्द छाँटकर लिखिए –

क. के समीप ख. के सहारे

ग. के अंदर घ. से दूर

ङ. की तरह

2. रिक्त स्थानों में संबंधबोधक शब्द भरिए –

क. के नीचे ख. के ऊपर

ग. से दूर घ. के साथ

ङ. के बिना

प्रश्न–अभ्यास (पेज १०२)

1. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर आवश्यक समुच्चयबोधक लगाइए:–

क. जैसे, वैसे ख. तो

ग. इसलिए घ. परंतु

ङ. बल्कि

2. समुच्चयबोधक अव्यय छाँटकर लिखिए:–

क. और ख. परंतु

ग. तो घ. या

ङ. ताकि

3. उचित समुच्चयबोधक से वाक्यों को जोड़कर एक वाक्य बनाइए –

क. पिताजी ने कहा कि रोहन को बुलाओ।

ख. अक्षय गृहकार्य करता है ताकि उसको डाँट न पड़े।

ग. उसका बुखार ठीक नहीं हुआ क्योंकि उसने दवाई नहीं खायी थी।

घ. मेरी तबीयत ठीक नहीं है इसलिए मैं तुम्हारे साथ घूमने नहीं जा सकता।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. जो अव्यय पदों, पदबंधों और उपवाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं। समुच्चयबोधक के उदाहरण:–

1. माँ ने कहा कि खाना खाकर सो जाओ।

2. वह परीक्षा नहीं दे पाया क्योंकि वह बीमार था।

ख. समुच्चयबोधक के दो उपभेद हैं:–1. समानाधिकरण समुच्चयबोधक, 2. व्यधिकरण समुच्चयबोधक।

प्रश्न–अभ्यास (पेज १०४)

1. सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए –

क. (✗) ख. (✓) ग. (✗)

घ. (✓) ड. (✗)

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित विस्मयादिबोधक शब्दों का प्रयोग कीजिए:–

क. जियो! ख. वाह! ग. बाप रे!

घ. अरे! ङ. ओह! च. छि:!

3. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त निपातों द्वारा कीजिए –

क. तो, ही ख. तक ग. केवल

घ. ही ड. तक

16. वाक्य विचार

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क. पानी ख. आज्ञावाचक ग. सरल वाक्य

2. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए –

	उद्देश्य	विधेय
क.	ममता	बाजार जा रही है।
ख.	पृथ्वी	सूर्य के चारों ओर घूमती है।
ग.	बच्चे	नदी में डूब रहे थे
घ.	तुम	खाना खा लो।
ङ.	हमारा विद्यालय	कल बंद रहेगा।

3. कोष्ठक के निर्देशानुसार निम्नलिखित वाक्यों का वाक्य परिवर्तन कीजिए –

क. पिता जी ने अखबार पढ़कर रख दिया।

ख. बिल्ली रसोई में घुसी और दूध पी लिया।

ग. जो झूठ बोलते हैं उनसे कोई प्यार नहीं करता।

घ. घंटी बजी और छात्र घर चले गए।

ङ. जो विद्यार्थी दौड़ में प्रथम आया है, मैं उसे जानता हूँ।

4. अर्थ की दृष्टि से वाक्यों के भेद बताइए –

क. आज्ञावाचक वाक्य ख. संदेहवाचक वाक्य

ग. विस्मयादिबोधक वाक्य   घ. प्रश्नवाचक वाक्य

ङ. निषेधवाचक वाक्य

5. कोष्ठक में निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए –

क. शायद कल बहुत सर्दी होगी।

ख. उसने गृहकार्य नहीं किया।

ग. यदि वर्षा हुई तो फसल अच्छी होगी।

घ. भगवान की कृपा से तुम विजय प्राप्त करो।

ड. क्या वे सब आज घूमने जाएँगे?

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. उद्देश्य:–वाक्य में जिस व्यक्ति या वस्तु के विषय में कुछ कहा जाता है, वह उद्देश्य कहलाता है। उदाहरण:–अध्यापिका छात्रों को पढ़ाती है। इस वाक्य में 'अध्यापिका' उद्देश्य है।

विधेय:–वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं। उदाहरण:–अध्यापिका छात्रों को पढ़ाती है। इस वाक्य में छात्रों को पढ़ाती है' विधेय है।

ख. रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं:–

1. साधारण वाक्य या सरल वाक्य

2. संयुक्त वाक्य

3. मिश्र या मिश्रित वाक्य।

उदाहरण:–1. परीक्षा समाप्त होते ही हम आगरा गए। (सरल वाक्य)

2. परीक्षा समाप्त हुई और हम आगरा गए। (संयुक्त वाक्य)

3. जैसे ही परीक्षा समाप्त हुई वैसे ही हम आगरा आ गए। (मिश्रित वाक्य)

ग. अर्थ के आधार पर आठ प्रकार के वाक्यों के नाम:–

1. विधानवाचक वाक्य 2. निषेधवाचक वाक्य

3. इच्छावाचक वाक्य 4. प्रश्नवाचक वाक्य

5. आज्ञावाचक वाक्य 6. संकेतवाचक वाक्य

7. विस्मयादिबोधक वाक्य 8. संदेहवाचक वाक्य

17. वाच्य

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क. कर्ता

ख. भाव

ग. दाँत में दर्द के कारण खाया नहीं जाता।

घ. भाववाच्य

2. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए –

क. नेहा द्वारा सुंदर राखी बनायी जाती है।

ख. भारत द्वारा क्रिकेट विश्वकप जीता गया।

ग. चित्रकार द्वारा चित्र बनाया जाता है।

घ. विद्यार्थियों द्वारा हिंदी पढ़ी जायेगी।

ङ. पुलिस द्वारा बदमाशों को पकड़ा गया।

3. निम्नलिखित वाक्यों को कर्तृवाच्य में बदलिए:–

क. हम और नहीं चल सकते।

ख. पुलिस ने चोर को पकड़ा।

ग. बहू ने भोजन तैयार किया।

घ. मीरा ग्रंथ पढ़ती है।

ङ. नौकर पत्र लिखेगा।

4. निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए:-

   क. वंशिका द्वारा पत्र लिखा गया।

   ख. प्रेमचंद द्वारा कहानियाँ लिखी गईं।

   ग. हम लोगों से रोज पूजा की जाती है।

   घ. आज हमने नया पाठ पढ़ा।

   ड. तुमसे सोया नहीं जाता।

   च. हमने कहानी सुनाई।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

   क. क्रिया के जिस रूप से इस बात का बोध हो कि वह वाक्य में कर्ता, कर्म अथवा भाव अनुसार प्रयुक्त हुई है, वाच्य कहलाता है।

   ख. वाक्य के तीन भेद हैं:-कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।

18. वाक्य रचना की अशुद्धियाँ

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

शुद्ध वाक्य

1. पेड़ से फल गिरा।
2. कल हमारे घर में मेहमान आ रहे हैं।
3. एक गिलास गरम दूध पी लो।
4. आठ बजने में दस मिनट हैं।
5. आज मैंने बड़ा मजा किया।
6. तुम्हें क्या खाना है ?
7. तुम्हें यह बात समझनी चाहिए।
8. रीतू को भोजन गरम करके दो।
9. मुझे मात्र पचास रुपये चाहिए।
10. गाड़ी चलते-चलते रुक गई।

19. पद परिचय

निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों का पद परिचय दीजिए –

क. विशाल:–व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, आठवीं कक्षा से संबंध।

आठवीं:–निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण।

ख. हरा–भरा:–गुणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, 'बगीचा' विशेष्य का विशेषण।

ग. बाग:–जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'लोग' जातिवाचक संज्ञा से संबंध।

कुछ:–अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, 'लोग' विशेष्य–का विशेषण।

घ. अरे !:–विस्मयसूचक विस्मयादिबोधक।

ङ. ताकि:–उद्‌देश्यबोधक व्यधिकरण समुच्चयबोधक, पेड़ लगाने का उद्‌देश्य बता रहा है।

च. बाहर:–स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'खड़ा है' क्रिया का विशेषण।

कौन:–प्रश्नवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक, 'खड़ा' क्रिया से संबंध।

छ. काला:–गुणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, विशेष्य 'कुत्ता' की विशेषता।

कुत्ता:–जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'तेज दौड़ना' क्रिया विशेषण से संबंध।

ज. धीरे–धीरे:–रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'चलना' क्रिया की विशेषता।

झ. वाह ! –हर्षसूचक विस्मयादिबोधक।

ञ. रामचरितमानसः-व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध, कारक, तुलसीदास से संबंध।

तुलसीदासः-व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, रामचरितमानस से संबंध।

20. विराम-चिह्न

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

क. संक्षेपक या लाघव   ख. पूर्ण विराम

ग. विस्मयवाचक

2. निम्नलिखित विराम-चिह्नों के चिह्न बनाइए -

क. अल्प विराम - ,   ख. विवरण चिह्न -

ग. अद्र्ध विराम - ;   घ. प्रश्नवाचक चिह्न - ?

ङ. कोष्ठक चिह्न - ( )

3. निम्नलिखित वाक्यों में यथास्थान उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए -

क. जो पत्र आज आया है, कहाँ है?

ख. अरे ! यह क्या कर दिया।

ग. राजू, इधर जाओ।

घ. हाँ ! मेरी भी यही राय है।

ङ. मैं बाजार से ब्रेड, मक्खन, पनीर और दही ले आया हूँ।

च. क्या तुम मेरे साथ चलोगे ?

छ. बड़ों का आदर करो; सत्य बोलो; पढ़ाई में मन लगाओ।

ज. भूखा-प्यासा बच्चा रोते-रोते सो गया।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. भाषा के लिखित रूप में रुकने अथवा विराम देने के लिए जिन

संकेत चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

ख. लाघव चिह्न का प्रयोग किसी बड़े शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए किया जाता है। उस शब्द का प्रथम अक्षर लिखकर उसके आगे शून्य (०) लगा देते हैं, जैसे:-

डॉक्टर - डॉ०, प्रोफेसर - प्रो०

पंडित - पं० ईस्वी - ई०

ग. प्रश्नसूचक चिह्न (?) के उदाहरण:-1. क्या तुमने अपना गृहकार्य कर लिया ?

2. यह गिलास किसने तोड़ा ?

विस्मयसूचक चिह्न (!) के उदाहरण:-

1. वाह ! क्या सुंदर दृश्य है।

2. हाय ! अब मैं क्या करूँ?

21. अलंकार

1. निम्नलिखित पंक्तियों में आए अलंकारों के नाम बताइए:-

क.	अनुप्रास अलंकार	ख.	यमक अलंकार
ग.	अनुप्रास अलंकार	घ.	रूपक अलंकार
ङ.	उपमा अलंकार	च.	उपमा अलंकार
छ.	मानवीकरण अलंकार	ज.	उपमा अलंकार
झ.	रूपक अलंकार	ञ.	रूपक अलंकार

2. क. कविता के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए शब्दों और उनके अर्थों के माध्यम से जो चमत्कार उत्पन्न होता है, उसे अलंकार कहते हैं।

अलंकार के दो भेद होते हैं:-1. शब्दालंकार, 2. अर्थालंकार।

ख. शब्दालंकार:-शब्दों के कारण रचना में सौंदर्य उत्पन्न होता है, वह

शब्दालंकार कहलाता है।

अर्थालंकार:-अर्थ के कारण रचना में जो सौंदर्य उत्पन्न होता है, वह अर्थालंकार कहलाता है।

22. शब्द भंडार (पेज १३५)

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए –

क.	कृतघ्न	ख.	दुर्लभ	ग.	मलिन
घ.	वाचाल	ड.	घृणा	च.	मांसाहारी

2. रंगीन शब्दों के विलोम शब्दों से रिक्त स्थानों को भरकर वाक्यों को पूरा कीजिए :-

क.	अवगुणों	ख.	उपस्थित	ग.	विजय, असत्य
घ.	व्यय	ङ.	बंजर		

प्रश्न-अभ्यास (पेज १३७)

निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

क.	हवा	समीर	वायु
ख.	चीर	वस्त्र	पटन
ग.	नयन	नेत्र	चक्षु
घ.	फूल	कुसुम	सुमन
ड.	विश्व	जगत	जग
च.	भगीरथी	सुरसरिता	देवनदी
छ.	ताल	सरोवर	जलाशय
ज.	भगवान	प्रभु	परमेश्वर
झ.	मानव	मानुज	इंसान
ञ.	सागर	जलधि	सिंधु

प्रश्न-अभ्यास (पेज १३८)

निम्नलिखित शब्द-समूहों के लिए एक शब्द लिखिए:-

क.	अनुपम	ख.	आलोचक	ग.	वक्ता
घ.	जन्मांध	ङ.	शरणागत	च.	सर्वज्ञ
छ.	कुशाग्र	ज.	अल्पज्ञ	झ.	आकाशीय
ञ.	निंदनीय				

प्रश्न-अभ्यास (पेज १३९)

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थक शब्द लिखिए:-

क.	बालक	केश
ख.	कान	कुंती का पुत्र
ग.	अध्यापक	भारी
घ.	गोद	गिनती के अंक
ड.	तालाब	संगीत
च.	समय	मृत्यु
छ.	चिह्न	ध्वज
ज.	देवता	स्वर
झ.	आकाश	वस्त्र
ञ.	समूह	पक्ष

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

क. कुल- (वंश) हम राजपूत कुल के वंशज हैं।
(संपूर्ण, तमाम) कुल बीस आदमी दावत खाने आए।

ख. भाग- (हिस्सा) इस मिठाई को तीन भागों में बाँट दीजिए।
(भागना) रोहित भागते-भागते गिर गया।

ग. पत्र- (चिट्ठी) माँ ने नानी जी की तबीयत पूछने के लिए पत्र लिखा।

(पत्ता) पतझड़ में पेड़ों के पत्र गिरते हैं।

घ. निशान- (चिह्न) उसके घर के बाहर लाल रंग का निशान है।

(ध्वज) भारतीय निशान हमारे देश के सम्मान का प्रतीक है।

प्रश्न-अभ्यास (पेज १४१)

1. निम्नलिखित समरूप भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -

क. कुल (वंश) - राम ने अपने पिता की आज्ञा का पालन करके अपने कुल की मर्यादा का मान रखा।

कूल (किनारा) - नदी के कूल पर बहुत सारे पक्षी दाना चुग रहे थे।

ख. मूल (जड़) - वृक्ष की मूल मजबूत होगी तभी वृक्ष का विकास होगा।

मूल्य (कीमत) - एक कप चाय का मूल्य बीस रुपये है।

ग. अपेक्षा (आशा) - अनुराग को सूरज से बहुत अच्छे अंक प्राप्त करने की अपेक्षा थी।

उपेक्षा (निरादर) - नारी सम्मान का पात्र है, उपेक्षा की नहीं।

घ. शाम (सांय) - शाम के समय सभी पक्षी अपने घोंसले में चले जाते हैं।

श्याम (काला या साँवला) - भगवान कृष्ण श्याम रंग के थे।

ङ. समान (बराबर) - सीमा ने अपने सभी पुत्रों में एक समान संपत्ति बाँटी।

सम्मान (इज्जत) - हमें अपने से बड़ों एवं छोटों का सम्मान करना चाहिए।

च. बहु (बहुत) – राघव में बहुमुखी प्रतिभाएँ हैं।

बहू (पुत्रवधू) – सीता राजा दशरथ की बहू थी।

छ. योग्य (उचित, मुनासिब) – यह नौकरी तुम्हारे करने योग्य है।

योग (जोड़) – अध्यापिका ने सभी संख्याओं का योग करने के लिए कहा।

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द छाँटकर खाली स्थान में भरिए –

क. अनिल ख. परिणाम

ग. नीड़ घ. निर्धन

ङ. चीर

प्रश्न-अभ्यास (पेज १४३)

निम्नलिखित शब्दों से इस प्रकार वाक्य बनाइए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ –

क. आज्ञा–हमें अपने से बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

आदेश–पिताजी ने आदेश दिया कि मैं तुरंत पढ़ने बैठ जाऊँ।

ख. कष्ट–जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें बहुत कष्ट सहना पड़ता है।

क्लेश–उसके परिवार में कलह–क्लेश का माहौल बना रहता है।

ग. अवस्था–उसकी अशांत अवस्था उसका विनाश कर देगी।

आयु–मेरे दादा जी की आयु अस्सी वर्ष है।

घ. स्त्री–पुरुषों को स्त्रियों का सम्मान करना चाहिए।

पत्नी–मोहन की पत्नी बहुत सुंदर है।

ङ. अपराध–रवि के अपराधों ने उसके परिवार को नष्ट कर दिया था।

पाप–गोहत्या जघन्य पाप है।

च. अनुसंधान–मुंबई में भाभा आण्विक अनुसंधान केंद्र स्थित है।

आविष्कार–बल्ब का आविष्कार महत्वपूर्ण आविष्कारों में से एक था।

23. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए:-

क. नींद आना-जैसे ही मेरी आँख लगी दूध उबलकर गिर गया।

ख. बहुत दिनों बाद दिखाई देना-रवि तो ईद का चाँद हो गया है, दिखाई ही नहीं देता।

ग. थोड़े में बहुत कहना-राजेश ने मंच पर आते ही गागर में सागर भर दी।

घ. प्रभावित होना-अजय के साथ रहकर अमित पर भी उसका रंग चढ़ गया है।

ड. हैरान रह जाना-राम मंदिर की सुंदरता देखकर सभी ने दाँतों तले अंगुली दबा ली।

च. बहुत शोर करना-राधा के बच्चों ने छुट्टियों में नानी के घर जाकर आसमान सिर पर उठा लिया।

छ. बहुत थोड़ा अंतर-मीरा के दोनों जुड़वा बेटों में उन्नीस-बीस का अंतर है।

ज. प्रभाव जमाना-पूरी दुनिया में नरेंद्र मोदी जी के नाम का डंका बज गया है।

झ. बुरी तरह हार जाना-युद्ध के मैदान में पाकिस्तान ने भारत से मुँह की खायी।

ञ. सफल न होना-रीतू ने प्रियंका और प्रीति की मित्रता तोड़ने का बहुत प्रयास किया पर उसकी दाल न गली।

2. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखिए:-

क. दिखावा करना   ख. पढ़ा-लिखा न होना

ग. परिणाम सही तो सब सही   घ. जैसा राजा होगा वैसी प्रजा होगी

ङ. कहना कुछ और करना कुछ और